भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

11.12.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2755 का उत्तर

नए रेल मार्गों को जोड़ना

2755. श्री राकेश राठौर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का अन्य राज्यों से उत्तर प्रदेश तक की रेल यात्रा को आसान बनाने तथा राज्य को नए रेल मार्गों से जोड़ने का विचार है अथवा विचार करेगी;

(ख) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के अन्य शेष जिलों को रेल यात्रा के लिए नए रेल मार्गों से जोड़ने का विचार है;

(ग) क्या सरकार का उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले के सबसे पिछड़े विधानसभा क्षेत्रों सेठउता और लहरपुर को रेल मार्ग से जोड़ने तथा वहां रेल सेवाएं संचालित करने का विचार है;

(घ) यदि हां, तो सीतापुर जिले से कुल कितनी सीधी रेलगाड़ियां शुरू किए जाने की संभावना है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ) : रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है न कि राज्य-वार/जिला-वार/निर्वाचन क्षेत्र-वार क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान

संपर्कता, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार पर शुरू किया जाता है जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के उत्तर रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम मध्य रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। लागत, व्यय और परिव्यय सहित रेल परियोजनाओं का क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

उत्तर प्रदेश राज्य भारतीय रेल के नेटवर्क पर देश के अन्य भागों से भली-भांति जुड़ा हुआ है। रेल संपर्कता को और बेहतर बनाने के लिए, पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 5960 किलोमीटर कुल लंबाई के 107 सर्वेक्षण कार्यों (33 नई लाइन और 74 दोहरीकरण) सहित देशभर में 60,673 किलोमीटर कुल लंबाई के 894 सर्वेक्षण कार्यों (287 नई लाइन, 14 आमान परिवर्तन और 593 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है।

दिनांक 01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली 92,001 करोड़ रुपये लागत और 5,874 कि.मी. कुल लंबाई की 68 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइनें, 03 आमान परिवर्तन और 49 दोहरीकरण) योजना और कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं जिनमें से 1,313 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 28,366 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्यों की स्थिति का सारांश निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2024 तक किया गया व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	16	1740	297	8672
आमान परिवर्तन	3	261	0	26
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	49	3873	1016	19668
कुल	68	5874	1313	28366

उत्तर प्रदेश राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,109 करोड़ रुपए/वर्ष
2024-25	19,848 करोड़ रुपये (17 गुना से अधिक)

वर्ष 2009-14 और 2014-24 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य मे पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमीशनिंग
2009-14	996 कि.मी.	199.2 कि.मी./वर्ष
2014-24	4,902 कि.मी.	490.2 कि.मी./वर्ष (2 गुना से अधिक)

सीतापुर मौजूदा भारतीय रेल नेटवर्क से पहले ही भली-भांति जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, सीतापुर जंक्शन, जो वर्तमान में सीतापुर स्टेशन को दिल्ली, लखनऊ, डिब्रूगढ़, जम्मू तवी, गोरखपुर, अमृतसर आदि जैसे प्रमुख शहरों से जोड़ने वाली 25 जोड़ी गाड़ी सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है, के निकट स्थित बिसवां और परसेंडी स्टेशनों के द्वारा पंडित सेउता और लहरपुर को सेवित किया गया है। इसके अलावा, यातायात के औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के आधार पर भारतीय रेल पर नई गाड़ी सेवाएं शुरू करना सतत प्रक्रिया है।

****